

ःकापुरसः (अमीक्ष्य) सर कार्यालय, काल्य पर्व बेका धरावीर केन्द्रीय अस्पार स्वास्थः OVO THE COMMISSIONER (APPRAISE), UST ACCENTUAL EXCESS.

ਵਰਿੰਗੀਆ ਨਲ, ਕੀ ਪ੍ਰਸ਼ ਹੀ ਸਦਾਜ ਨੇ ਨਵੀਂ ਸ਼ਾਹਰ ਵੱਲੀ ਸਿਕਤਾਨ हेल वर्षेस् दिन बोच : Hare Linese Sling Road

-да (500 No. 1931) — 2009 (\$2.744) [42] Prodice-co-production(but)[200] [<u>200</u>





रक्षिरको एक एऔस्थ। :-

अभैज अस्ट्रन्सम्बद्धः ملا ما الكالمعروم <u>የድጋሀ</u>ያው የድጋበብ

भार आहेला सः । of H. Ku

BHIV EXTERNATION AUG. (\$4.2012-15)

Erries' Dale:

פוטבוויאר

adinarit articles of the community of th

BHV-EXCUS-000-APP-241-2<u>019</u>

आदेश का दिलांक)। Danie of Order:

ıHı

34.40.3049

जारी करने की तारीखा?

Date of Issue:

H5.11.2019

यो मोगो नाम्य,आयुक्स (अगील्स), एक्ज्मरेट ब्रुतास पारित (

Passant by Shirt Good Nath, Commissioner (Appeals), Rajkot

त्रकः आयुक्तः। अयुक्तः अयुक्तः अपानुष्याः सहाकतः आतुष्यः, नेतन्त्रीय इत्यादः शुक्कः सेवशन्तवस्त् एवस्यक्तः,

कालमेट हैं बान नहें. है अधिकान, दगरों उपरातिकत नार्रों मूल सर्वण से मकिली हैं

Arring and all atmost membranic CIO exceed by Addisonal Copyry/Assistant Copyrete/Innex, Central Exceeding CELL Rajkor/Jamragan/Gardirdham

जनीक्ष्मको&प्रतिवादी वस भाग एव एसा (Name&Address of theAssellants&RegistedAff) ः

MiscRelinace Vascal and Regisseering Ltd georder known as Bettenee Detracts and Anguacting Limited (RCAD), Physics point, Part-Breetsings, Via-Rapelle, Diett-Amerik Gegenat.

इस अध्यक्ष को को को को को को को के को लोग के के अध्यक्ष पार्थिकों है अधिकार के समय उनके उपन का सबना है है Any person agent and by this Collecto-Appeal may the en expend to the appropriate authority in the inflaming way.

ीमा २०० अञ्चल राज्य पुरुष पर रोज्यम प्राथित काराविकास के पाते अम्बर, केन्द्रीय अन्य रहुक अमिनियन एक्स की घरा (आ अस्तिक एवं कि असिनियन, अञ्चली क्षमा १६ के संदर्धन विकासिनित असह से अस्टर्स हैं ()

Adpeal to Casters. Focus Sincerte Teo Appellate "Mariel and a Serion Scalaf LDC, 1994." Ocula Sedeca So of Bui Potence Aut. 1994 of appearable to-

वर्षिकाण कृत्यकेत में मुक्तिका अभे नामते होता १५००, केर्नीय उत्पर्धन १५६४ से इवस्त अर्थनीत स्वायण्डिकाण की विशेष गीर, यहर । स्वीम संभ, अस. में, सुरस, रहे दिल्ली, यह में बाबी वाहिए ४ GL

The special breaks of Costumes Excelled Service has type $\Delta \log \mathbb{E}_{\mathbf{R}}$ and of Physic Physics $(0, \mathbb{R}, \mathbb{R})$. From a New Hell $(0, \mathbb{R})$ and the gradual substantial s

ŊŢ, ਕਮਮਿਕ 'ਵਿਹੀਟ 15) ਜੋ ਕਰਮ ਨੂੰ ਅਤੇ ਕਿ ਤਰਕਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕਰਮਾ ਸਿੰਘ ਹੈ। ਜੋ ਜਾ ਭਾਜਨੀ ਉਸ ਤਰਕਾ ਸ਼ੁਕਤ ਅਤੇ ਤੇਕਸਕ ਸਥਿੰਦ ਨੇ ਜਥਿ ਸੀ।ਵੇਟ੍ਵੀ ਸਵਿਤ ਵੱਧੀਆਂ ਸਿੰਘ ਸੁੰਦੀਸ਼ ਜਲ, ਸ਼੍ਰੂਜਨੀ ਜਨਜ ਮਸਲੀ ਮਜ਼ਸਵੀਕ, ਅਕਸ਼ ਦੀ ਜੀ ਜਿਸੇ ਵਾਲਿਸ ਪ

ıщ ्रार क्षेत्र पान राकेर । मर्गारेट क्षर का क्ष्मान, के की के बाबा है होगा राहिए का बावेगा मर्गिन कार्गारेकोंचा के बाबा मैंगत। है । स्थापन महेब कुट अंदेश, शारिक अकेद्रमी (६ ३४ १००- ७ ७ का क्षिप्रेस (क्षम समावस्था होता)

The provident landing our perjoin (if) or beginn is to it. Herenover, the 1986, to the Appell to Televical State to Medite open and the control of the 1986 of the Control of the 1986 of the control of the 1986 of the 1986

ä भेर अभिनिध्यत्यक्त की **महा ३६ की** उक्त कराई २३० मा १७७६ में किस्से के सभी अभेता अंबरूद **विकासकी** १**३५५ के** मेजन सुद्र ार भारता है। यह सामान के प्रतास का उस कर का का का का का का का का सामान के किसावार की उसे के सामान है। इस भारता के सामान किसीवेस राज्य है हैं हैं जो उन्होंने का अपने दान आहेता है के बहेता है। अपने का सामान अनुकार का का किसीवेस के के कार्य के किसीवेस के की अपने की कार्य के कार्य

The application of the second of the second

हीमा पुल्ल केर्यान अपाय पुल्ल एवं नव बना अमेरिक स्थिति हो है। इसे हमेरिक हमी है के अध्यक्ष पुल्ल आगोरिकाम प्रथम वि प्रभावित कर्त के स्थिति आगोरिकाम (१९८८) को प्रत्य के असी के प्रथम के प्रथम हमी जाते हैं। इस अधिक के प्रति अधिक स्थिति के प्रति अधिक स्थिति है। इस अधिक के प्रति अधिक स्थिति के प्रति अधिक स्थानिकाम में अभिक प्रति प्रति के स्थानिक कर के प्रति के प्रति के प्रति है। इस अधिक के प्रति के प ഥ

मतः श्र≑शंहरतारशरः

रोमक्य जन्म की आपन्हें कल ।्रीत :41

100

ों — 'सेन्के' अस्य विकासको न क्षेत्रा इ.स. अस्त्रीत धेकरात्त्रा - कर्को रहा कि समापाना के सहयहाँ दिक्षित हुने, २० अनिकियन २०१४ के असंकारी कुछ दिवसे अधानेय प्रतिकृति के असरा

For an appeal to be their gain of any property of the Central Torks was refer to the formal to be the first the Central Architecture of the Central Torks was refer to the formal appeal to be the first the Central Architecture Torks with the first the first the Central Torks was refer to the first the first the first the Central Cent

The content of the co

अवस्त सर्वकात्री को प्रवृत्तिका अवस्त्रीत 151 on consequents. The corder Union Secretary, so the descent ment of train, Romage, Application flats Manages, or A mention approximate the corder flat through the forest products. Make and Short, New (A) I show that the first, on A knowledge of the corder of the kills of the corder of the foregoing with the latest through the Social Conference.

्राच्या के दिनों इन्हमान के नामने में, जह पुरस्का दिनों नाम को किसे करहातों से हका गृह के प्रणापना के दौरा ना किसी उन्हा करहाते हा कि किसे एक मंदर कह से इस मंदर का प्रथमक के बीहत, का किसे में, ए एट में को कहाता में समा है उन्हान है किसे कुपताने के किसे में भिन्न है में मान के सुम्हत है गायत है। ता तकारों का एक के क्षेत्रक के का कि हता के स्थान के साम के समान के स ılı

१९९८ के बहुत किसे सुन्दु में देन से निसेन कि हो आन में विकितिया ने ल्यूबत करणे नाम पर वसी नई नेन्द्रांत उत्पाद मुक्त के पूर्ण (निर्देश) के खनमें में, जो भाग के बहुत निसी तक जा नाम के मिलेन की गामी है। ' कि एक अंजिसकार में तीयकार किसी तक जा करवा करवानी के अपने उत्पादक वाला कार्यक स्वाद के किस के अपने को के अपने की कि कि को क्षित्रक को की करवी को के करवी को कार्यकों के समान कर किया के किसे की क IL.

र्द्ध कुल्क्य भूत्रकारणः भूत्रकारण विद्या विद्या भारता के शहाः विद्याल था। नृष्टाल को भारत क्रियोर विकास समाहीत स्रोतकारण क्रियमें संस्कृतिक स्रोतिक क्रिया विद्यालया स्थापना स्थापना विद्यालया स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन Çı :

तुर्धिहित्य उनका के इत्यादेन मुक्ता के इत्यास के जिए का कहते हैंदेड पूर्व अधिकेशन को इसके विवेदन कर एकी के उद्घा करान की तो व की देने आहेब जो भूजूका (कुटालो के बबता किन अधिनिक्स इन्याहरूस की कहा पक्ष के बहता विकास के नई तहीज अपना असन विके 44 ਕਰ ਕਰ ਹੈ ਹੈ। ਸਨਗਾਰਨ ਨੇ ਸਹਿਰ ਵਿੱਚ ਗਈ। Codit of the direction of the chical benedic graph, or wide they are trail produce appearate products, (the, or Series Briskings button and a sectional benedic graph of the Control of other (Appeal ਨੇ ਦਾ ਦਾ ਸਹਿਰ ਪੋਸ਼ਟ ਪੋਸਟ ਸ਼ਹਿਰ ਦਾ ਇਸ ਦਿਸ਼ਤ ਹੈ। Series of the European Brand Act (1986)

Įń.

क्ष रहात अवेदत के यह दिल्लीके(65 कि.मी.), कहार 19 कहारकों की खारी व्यक्ति . अंदी बहुबक २५० २५ सम्बन्धियों के पहले कर हो के दबसे 1975 के शुप्तक कि.मी. अंदी मेंट मेंट मेंट में समादक कर दे 🕬 . (1 1611 ay and the saye are free and a) and then a magazine free and the posterior publication shall be commonwell by picture B. (20) (a) on the amount involved on Republication Leader and and the 1000 in these helpers for an emission by the same and the same

uP, ye अर्थन संग्रह स्वापनियों का समार्थ, है जो एल्टेंस मूल आहे। के लिए हुन्य का सुगतमा, उपनिया कर है किया जाता चारिये। इस लागा के होते हुए के के किया पढ़ें जाने से बचने के विशासकारियों अपीतंत कामाधिकता को एक अर्थन का के कि समझा को एक अलेका किया जुला (1) / 1: अब्द, 1: केन हमान हरकाम एक्टाक्यामधिकार को को कि किस का, कि किया करते प्रतिक्र अवस्थित का सकते क įψ. age; 30 ms and a second recommendation of the first formula to the less such that seek of the second to part in the expectation and the expectation for the expectation for the expectation for the expectation for the beautiful to the expectation for the expectation for

Э

होंका भूजा, केरटेज आवाद हुएका एवं पंताबार, अधीरीय क्या गांधिकतन (14की विधि) में जानकती, 1988 में जानित एक इन्य मंगितीय नाम से को स्थितिक कार्ने को कि को कि अभी भी प्राप्त अवसीया किया कार्य है। / अमन्त्र केला कि कोक केल्क्स के सेंस स्थापन करावता, किया करी और शंकियों समायक सम्बद्धियात में से कि केला की केला असे जिसाय के अमर्थानीय के सेंस केला भी किया भी किस स्थापन 1982 5

अपन अमेरिकेन क्रांनेक्सी को अमेरिक क्रिकेन क्रांनेकिक क्रांकिक क्रिकेन और क्रिकेन र प्रकारक व्यवस्था का अन्य माध्यक्ष अन्य सामान्य प्रकार प्रकार प्राप्त । यह नामान्य के लिए अधिकार विकार विकार अन्य मेरेक्ट्रिक के देव सकते हैं। / Doe Baydur 2005 के जेने अने 'प्रकार क्रिकेटक control of build of upperfit the legist of perfect of the appellant making of the legisteries to be considered on the state of the legist of perfect of the legisteries of the state of the second of the legisteries of the legisteries of the second of the second of the legisteries of the legisteri 551



<u>:: ORDER-IN-APPEAL ::</u>

M/s. Retiance Mayal and Engineering Ltd. (hereinafter referred to as "Appellant") has filed appeal No. V2/21/8VW/2019 against Order-in-Original No. BMV-EXCUS-Q00-ADC-10-2018-19 dated 18.1.2019 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Additional Commissioner, Central GST & Central Excise, Bhavnagar (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').

- 2. The facts of the case are that the Appellant, a 100% Export Oriented Unit, was chagged in the manufacture of 5htp falling under CETH No. 89.01 and was registered with Central Excise. During CRA audit, it was observed that the Appellant had cleared MS Scrap, SS Scrap. Copper Scrap and Aluminum Scrap during the period 2011-12 to 2015-16 on payment of either Central Excise Buty or concessional rate of aggregate duty of Customs by availing benefit of notification No. 23/2003-CE dated 31.3.2003; that as per para 6.08(a) of Foreign Trade Policy, any EOU who desired to clear goods in DTA was required to submit application to the Development Commissioner concerned in prescribed form duly certified by Cost/Chartered/cost and works Accountant and endorsed by the Bond officer of jurisdictional Customs / Central Excise office. It was observed that the Appellant was not having DTA safe permission for clearance of scrap and thus, the Appellant had wrongly availed benefit of notification No. 23/2003-CE dated 31.3.2003 by clearing scrap at concessional rate of duty and thereby short paid Central Excise duty.
- 2.1 Show Cause Notice No. V/15-4/Dem/HQ/17-18 dated 1.6.2017 was issued to the Appellant calling them to show cause as to why Central Excise Duty of Rs. 56,42,802/- for the period from May, 2012 to March; 2016 should not be recovered from them under Section 11A(4) of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "Act") along with Interest under Section 11AA of the Act and proposing imposition of penalty under Section 11AC of the Act.
- 2.2 The above SCN was adjudicated by the adjudicating authority vide the ampugned order who confirmed demand of Central Excise duty of Rs. 56,42,802/- under Section 11A(4) of the Act along with interest under Section 11AA of the Act and imposed penalty of Rs. 56,42,802/- under Section 11 AC of the Act
- Aggrieved, the Appellant proferred appeal, inter also, on following grounds:
- in the crux of the findings recorded in the implighed order for confirming duty demand revolves around non-production of permission for sale scrap in DTA from the Development Commission; that not obtaining permission for DTA sale of waste and

smap was a technical lause more to lactable Net Foreign Exchange (NFE) is not taken into account against sale of waste and ecrep by \$00% 50H as per the Polloy provisions; that there was no revenue loss to the coverement in absence of such permission from the Development Commissioner. Thus, at the most it can be said to be a technical or world breach. However, the same has no advices effect in the instant case as duty was paid by appellant at appropriate (25) at theyant time.

- (ii) The adjudicating anthority has not given any findings on the points of defense relating to (i) payment of duty at appropriate (ase, (ii) serious mistakes in application of rate of duty applied for working out differential duty, (iii) highly inflated duty demand (iv) discussion about conditions of the disputed notifications, provisions of ENM Policy and the provisions of the Control Excise Act, 1944 which clearly lead to infer that they had correctly assers... and paid duty of various suraps. The impugned order is passed not only in violation of principles of natural justice but it is also manageaking and passed without glyting reasons for disagreement with the submission made by appellant and hence, the impugned order deserves to be set aside in the interest of justice and relied upon case law of Asset. Commin., Commercial Tax Department Vs Shukla & Brothers 2010 (204) E.L.T. 6 (8.0.1).
- they had opted to pay duty of raw snaterials were imported without payment of duty, they had opted to pay duty of excise i.e., amount equal to the aggregate of duties of Customs leviable on like goods as if duty of customs specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act. 1975 read with any other notification in forch was reduced by 50% and no additional duty of customs was leviable under sub-section (5) of Section 3 of the said Customs Tariff Act as per Sr. No. 2 of the Notification ND. 23/2003-CE dated 31.03.2003, as amended; that during the period under dispute I.e. May, 2017 to January, 2016, they had paid the anicont equal to the aggregate of duties of Customs leviable on tike goods i.e. effective rate of duty of Customs, plus additional duty of customs viz. amount equal to duty of excise as per Sr. No. 2 of the notification as alloged in the show cause notice. Flus, the allegation that it has wrongly availed benefit of Sr. No.3 of the said Notification 46. 23/2003-CE dated 31.03.2003, as amended and not under Sr. No. 3 of the notification as alloged in the show cause notice. Flus, the allegation that it has wrongly availed benefit of Sr. No.3 of the said Notification 46. 23/2003-CE dated 31.03.2003, as amended is Lotally baseless and without appreciating facts available on moords viz. Invoices and monthly ER-2 returns for the disputed period.
- (iv) That the Department has wrongly applied rate of duty in Annexure-A to SCN instead of taking convert rate of duty effective at material time; that in remarks column of Annexure-A, rate of duty for the period from April, 2014 to January, 2016 for both MS Scrap and 55 Scrap has been glown as "BCD 2.3% + CVD 12% + Cess 3%"



which comes to 15.25%, but rate of duty of 18.3% has been applied; that based upon the invoices of disputed waste and scrap, they had prepared revised Annexure-A by considering actual rate of duty payable vis-é-vis duty paid as per monthly ER-2 Returns so as to arrive 8% amount of differential duty, if any and submitted before the adjudicating authority vide letter dated 24.2.2018 from which it is evident that there was differential duty of Rs. 3,11,541/- payable by them and not Rs. 56,42,802/-, as alleged in the notice.

- ľΨÌ That entire amount of demand covered under the notice dated 01.06,7017 was barred by amitation; that the notice was issued by invoking extended period and it covered period of May. 2012 to January, 2016 to terms of provision of Section (14)(4), flowever, the adjusticating authority failed to appreciate that the same can be applied only in a case unvolving duty short-levied or short-paid or erroneously refunded, by the reason of (a) fraud (b) collusion (c) any wilful misstatement (d) suppression of facts (c) contravention of any of the provision of this Act or of the rules made thereunder with intent to evade payment of duty; that no such allegation. of suppression etc was made in the notice; that clearance of goods were shown in Manthly FR-2 regums as under paragraph 6.8 of the FTP and payment of duty of excise. equal to duty of customs viz. effective rate of customs duty, CVD etc and therefore. extended period cannot be invoked in this case. In any case, goods were removed from the factory under proper Contral Excise Invoice on payment of appropriate duty. of excise equal to duty of customs as provided under Section 3 of the Central Excise. Act, 1944 read with the notification and the Foreign Trade Policy and said facts were declared in monthly statutory returns ER-2. Therefore, it cannot be alleged that it was imearthed during the CER audit. On the contrary these undisputed facts confirm that it was written the knowledge of the department from the periodical returns filled by appellant which are not only being regularly worldinized but even various show. cause notices were also issued by the department based on such swisting to it in past-
- (vii) That it is settled law that when a notice is issued based on the audit objection on the basis of the records maintained by assesses, then in such case the department cannot claim that alleged short recovery of duty was on account of willful suppression of facts with intent to evade duty. In the instant case it has been admitted in the nulice itself that the objections were raised by CERA audit party on the strength of the records of the Appellant. Thus, entire demand is barred by limitation.
- (vil) That since notice was time based, penalty imposed under the imposed order is outside the pulsation of law. It is settled law that if allegation is only of companient of Excise Duty without intention to evade such duty then in that

penalty under section 1: AC of the ACC. It are detricent is required to spell out the facts which may establish that there were proportionary on the ground of (a) fraud on (b) collusion or (c) any within return to the contravention of any of the promision a chief or the promision and the promision and the promision of the promision of the promision of the released thereunder with invent to evade payment of only which is the case, a factor in the impugned case. It, therefore, submits that penalty limitable moder section 11AC on them in the impugned profes deserves to be set asset and reflect. Upon these law of Jyani Structure Little 2014-POL 1579-HC-MAW-CX.

- d. In hearing, Shri P.D. Racinship அணை வழக்காகம் on behalf of the Appellant and requested the grounds of appeal கூறைகளின் and requested that their case may be decided on maritias well as on limit vitor.
- 5. I have carefully gone through the case, the impugated order, the appeal memorandum and submission trade during personal hearing. The issue to be decided in the present case is whether the impogned order, confirming Central Entire duty, interest and imposing penalty, is correct, tags! and proper or otherwise.
- In On going through the recerds, it find that the adjudicating authority disallowed benefit of notification (An. 33/2003-CE dated 3).5.2003, as amended availed by the Appellant in respect of the arrange of scrap into DTA at concessional rate of duty on the ground that the Appellant had one obtained required permission from Development Commissioner for clearance of scrap into DTA. I find it is performed examine notification No. 23/2002 OE dated \$1.3.2003, as amended, availed by the Appellant, as under:

The exercises of the powers continued by set sections (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (Coroling) or reference to as the Contral Excise Act), the Contral Conventment, being estistive for the exercision specifies in column (3) of the Table below, and follow within the Contral Excise Part (Act, 1985) (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Contral Excise Part (5 Act, 1985) (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Contral Excise Part (5 Act, 1985) (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Contral Excise Part (5 Act) specific (5 in the corresponding entry in column (2) of the said Table, produced as manufactured in an exposit original undertaking or an Eleganomic Hardware Technology Park (5 HTP) Unit or a Software Technology Park (51 P) Unit sub-brought to any other place in India in appendence with the provisions of Percent and Impart Policy and subject to the relevant conditions specified in the Admixture to this industrial in the corresponding cater in the Admixture to the relevant conditions specified in the Admixture to this contribution, and referred to in the corresponding cater in column (5) of the said Table, from so much of the duty of excise leviable



I

thereon under section 3 of the Central Espair Act as apocified in the corresponding outry to solution (4) of the said Table."

Service Service

(Emphasis supplied)

7. I find that benefit of Notification No. 23/2003-DE dated 31.3.2003 was to be availed in accordance with the provisions of Export and Import Policy prevailing at the material time. I find that procedure (or clearance of goods in DTA by EQU units was provided in Chapter 6 of the Foreign Trade Policy (2009-2014) and governed by the quidelines prescribed in Appendix 14-1-H which read as under:

"ILIPPA SALE ENTITLEMENT FOR BOU UNITS:

Paragraph 6.8 of the Chapter 6 of the Foreign Trade Policy provide for sale in DTA by ECR //EHTP/STP units, Such cates to the tyTA with he governed by one following suidelines: -

- c) The sale of goods in DTA will be subject to the payment of applicable duties as notified from time to time by the Department of Revenue, Ministry of Finance. Government of India, 63TA sale includes elemance or any other unit within India, under para 6.8.
- b) DTA sale entitlement will be applicable only to those goods and services, which are properties as per MOMI Scheme. No DTA sale will be permissible if such each is specifically prohibited in the EOU Scheme or the Letter of Permission/Letter of Intent.
- c) Units they upt for DTA soles on a quarterly, half-yearly or annual besis by instruction to the concerned Development Commissioner of SEX. However, Premier Trading House (F1H) as defined in part 3.5.2 of Foreign Trade Policy (F1H) shall have the option to undertake DTA sales on morthly basis, as well.
- (i) The TYPA soles entitlement shall be availed of within three years of the sourced Of entitlement.
- e) An application for sale of coods in DTA (as per POU Scheme) by the EOUS shall be submitted to the Development Commissioner concerned in the form siyen at Annexure A. The application shall be certified by an independent CostChartered Water and Works Appendiant and endorsed by the Hond Officer of CostChartered fixeise having jurisdiction over the man. The Development Commissioner concerned will determine the extent of the LTLA sale admissible and issue authorization in terms of value. When the extent of the LTLA sale admissible and issue authorization in terms of value. When the extent of the LTLA sale admissible and issue authorization in terms

Type under para 6.8(a) of Fareign Tooks Colley under instruction on concerned. Development Commissioner and Provide govelopment Excise Authority in terms of Para 6.38.8 of Handbuck, DTA sale to member of associate \$(a) of Policy shall be allowed only after adjustment of advance DTA. So considerant a granted.

....**...**

(Emphasis supplied)

- I find that any EOU desired to clear goods to DTA was required to submit-7.1 application to the Development Commissioner in prescribed form, little/ dfig. giving. details of egods manufactured, physical expands, net foreign exchange earned, proposed DTA sale etc. The Application was to be certified by the independent Cost/Chartered /Cost and Works Accountant and endorsed by the Bond Officer of Customs / Central Excise having jurisdiction over the unit. After that, the Development. Commissioner determines the extent of the admissible DTA sale and issues authorization in terms of value. In the present case, the Appellant had not obtained permission from the Development Consmissioner for clearance of goods 1000 DTA as held by the adjudicating authority to the impugned order and which is not disputed by the Appellant, So, the deprence of wrap in DTA by the Appellant was not inaccordance with the Export and Impart: Policy and therefore, the Appellant was ineligible to avail the benefit of Notification No. 23/2003-CE dated 31.3.7003, as amended. I find that compliance of procedure setforth in Foreign Trade Policy was substantial requirement to avail benefit or Novilleation No. 23/2003-CE dated 31.3.2903, as amonded. I am to agreement with the reliance placed by the adjudicating authority on the decision randered by the Hon'ble Rajaschan High Court. in the case of Auto Lilted India Etd. reported as 2018 (360) E.L.T. 488 (Raj.), wherein It has been held that,
 - 76 We lower beard the learnest counsel for the parties.
 - 5.1 Taking into consideration the pery object of 190% export oriented and cacinptson of cacale duly is to have coming of foreign exchange, if without prior permission of the surfacilty, local sale as allowed than a will lead to loss of excise duty and if the prim permission is not taken, without permission, the export will not be done and locally goods will be disposed of
 - 6.2 In that view of the matter, clause 9.9 is to be read as intimation subject to provise they have to take permission of the compensation authority.
 - 7. In that view of the matter, the s-ne of decided in Jayour of Decortoon spained the s-second.
- 8. Regarding contention of the Appendant that non obtaining said permission from Development Commissioner was only a technical or vental breach, I thind that when



Hego No. 8 of 14.

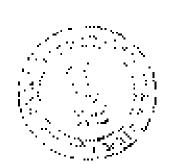
detailed procedure was prescribed in the relevant Foreign Trade Policy and benefit of Notification No. 23/2003-CE dated 31.3.2003 was to be availed in accordance with Foreign Trade Policy, fallure to obtain permission from the Development Commissioner cannot be said to be a mere technical lapse. If such lapses are allowed to be condened, then very purpose of prescribing detailed procedure would become otiose. Apparently, the purpose of prescribing such procedure was to monitor and regulate clearance of goods by EQU into DTA. However, when any EQU clears goods in DTA in blotters disregard to the set procedure, then no laxity can be shown. I find that EOU was required to submit comprehensive information to the Development. Commissioner for obtaining permission for clearance of goods into DTA. The applicant EDU was required to submit details of goods manufactured, physical exports, net foreign exchange earned, proposed DTA sale etc. Further, the Application was to be contified by the independent Cost/Chartered /Cost and Works Accountant and endorsed by the Bond Officer of Customs/Central Excess having furisdiction over the unit. When such elaborative procedure was set forth in Foreign Trade Policy and when benefit of Notification No. 23/2003-CE dated 31.3.2003 was subject to following said: procedure, it is apparent that obtaining permission from Development Commissioner. for clearance of goods in DTA was substantial requirement of the Notification swarp. I rely on the judgment rendered by the Hon'ble Supreme Court in the case of Hari-Chand Shri Gopal reported as 2010 (260) E.L.T. 3 (5.C.), whorein it has been held. that.

- **2.2. The law is well settled that a person who cianne cocmprion or concession has on establish that he is entitled to that exempts of or potocession. A provision providing for an enemption, concession or exception, as the case may be, has to be construed structly with contain exceptions depending upon the settings on which the provision. has been placed on the Nintuce and the object and purpose of be achieved. If exemption is available on encaptying with certain conditions, the conditions have to be complicit. with. The mundatory requirements of those conditions must be obeyed or fulfilled. exactly, though at three, some latitude can be shown, it there is a sulface to comply with some requirements which are discussive at darties, the non-compliance of which would not affect the easence or antispance of the notification granting exclution. In Navagan Indian Lat. (supra), this Court held that a person, invoking an exception or promption provisions, to relieve him of tax liability most countries clearly that he is: povered by the said provisions and, in case of doubt or embigaity, the bandful of the 1008) go to the State. A Conscionion Bench of this Court in Howard (invalundar v.) H.B. Dave - (1996) 2 SCR 253, held that such a norlifection has to be interpreted in the light of the wards employed by it and not on any other basis. This was so hold in the context of the principle that in a taxing statute, there is no soom for any intendment, that regard must be had to the close pregning of the words and that the matter should be governed wholly by the language of the notification, i.e., by the elau, represent the exemption.
- 23. (All course, some of the provisions of an exemption notification may be directory in narrow philipsonic are of mandatory in rather. A distinguished between provisions of simplify in the antennative character and owers built in with certain specific objectives of profit years the one hand, and these which are marrly proceeding and rephritishin their allows, no the other, must be kept clearly distinguished. In Time 1900.

and Steel Co. Ltd. (supra), this Court is ald that the principles as regard construction of an exemption actification are no longer was usuaged; whereas the objectity clause in adaption to an exemption morification is given action acquiring wherefor the notification has to be interpreted in terms of the unagrage, once on assesses satisfies the disphility clause, the exemption clause therein may be construct line only. An eligibility oriental therefore, theserves a surior construction, although construction of a condition thereof may be given a liberal mapping if the same is disectory in nature.

Hanteline of substantial compliants in a linearity size."

- 24. The descrine of substantias compliance is a judicial invention, equipable in cature, designed to avoid hardship in cases where a party does all that can responsibly. expected of it, but failed or faulted to some mirror or reconsequent aspects which comput he described as the "essence" or the "substance" of the requirements. Like the concept of "reasonableness", the waveplance of otherwise of a plea of finitesential. compliance" depends upon the facts and directors ances of each case and the purpose. and object to be achieved and the convent of the prerequisites which are essential to cableive the object and purpose of the rule or the regulation. Such a defence examit bopleaded it a clear statutory prerequisite which allicenates the object and the purpose of the statute has not been used. Corrainly, if means that the Conti standid determine. whether the statute has been followed sufficiently on us to corry out the intent for which the statute was constell and not a minor image type of script compliance. Substantial compliance mems "norms compliance on respect to the substance essential. to every reasonable objective of the statute" and the court should determine whether the stature has been followed sufficiently so as to carry out the intent of the seature and accomplish the reasonable objectives for which it was passed. Fixed stands generally switch to present the need to comply smithly with regulatory requirences. that the important expectedly when a party stake the bandles of an exemption close. that are authorized. Substantial emplitment of an exactment is insisted, where mandatory and directory requirements are jumped tagether, for in socil a case, it manulatory requirements are complete with, it will be proper to say that the enacting it. has been subspanifully complicate with nerwithstanding the none compliance of directory requirements. In coses white substantial compliance has been found, those has been actual compliance with the stature, albeit procedurally faulty. The doctring of substancial compliance stacks to preserve the need to comply strictly with the conditions or requirements that are important to invoke a care or they exemption and to intrgive non-compliance for either unimportant and tangential requirements on exquirements that are so configuigly or incorrectly written that an earnest effort as compliance should be accepted. The test for determining the opplicability of the substantial complisace doctrine has been the subject of a myriod of cases and queer offers, the critical question to be extantined is whether the exquirements telete to the "substance" or "essence" of the stands, ${f d}(\omega)$, which adherence to those exquirements is: a precondition to give effect to that Spering. On the other hand, if the rouldeductions are procedural or directory in mot they are not of the "escence" of the thing to be deale. but are given with a view to the orderly conduct of husiness, they may be fulfilled by substantial, if not series controllanta, in other words, a more observated compliance. nssy nor be sistficient, but extual compliance of those factors which are considered as essenraj,"
- 9. In view of above, I hold that since the Appellant had not deared goods in DTA in accordance with Export and Import Policy, the Appellant was not eligible to avail benefit of Notification No. 23/2003-CE date 31.3,2003, as amended. I, therefore, uphold confirmation of demand under Section 11A(4) of the Act.



- 1D. The Appellant has contended that entire domand was barred by limitation; that the notice was issued by invoking extended period of limitation but no such allegation. of suppression etc. was made in the notice; that all facts were declared in monthly statutory returns ER-2 and consequently it was within the knowledge of the Department; that it is a settled law that when a notice is issued based on the audit. objection on the basis of the records maintaking by assessed, then in such case the Department cannot claim that alleged short recovery of duty was on account of willful. suppression of facts with intent to evade duty. I find that proceedings were initiated. on the basis of CRA audit of the records of the Appellant. It is on record that during said Audit. It was revealed that the Appellant had availed benefit of Notification No. 23/2003-CF, thated 31.3.2003, as amended, in respect of goods cleared into DTA but. had not obtained pormission from the Development Commissioner for such clearance. and hence, the Appellant was not eligible for the benefit of notification sworg. It is: apparent that had there been no audit of Appellant's records, wrong availment of notification supro by the Appellant would have gone unnoticed and hence, ingredients. for invoking extended period under Section 11A(4) of the Act existed in the present. case. Hence, I hold that the demand is not barred by limitation. I rely on the order passed by the Hon'ble CESTAT, Chennai in the case of Six Sigma Soft Solutions (P) Ltd.: reported as 2018 (18) G.S.T.L. 448 (Tri. - Chennai), wherein it has been held that, i
 - "6.5 Ld. Advocate isself-cent at pages to point out that there was no make flux intention on the part of the appellant. He has contended [thus] they were under the impression that the said activities would come within the scape of IT services, hence not taxable. For this reason, Li. Advocate has contended that calculated person of these would not be invocable. However, we find that the adjudicating authority has addressed this aspect in para-10 of the impagned under, where it has been brought to the field that appellant had not at all daskned due caseign of income in respect of the activities done by them in respect of services page dot by them as their ST-3 returns.
 - 6.6 The firsts came to highe only when the degartment conducted scouting of the sumal reports, possibly during such. In such circumscapes, the degartment is fully justified in mystigm the extended period of limitation of five years."

(Emphasis supplied)

10.1 | have also gone through tample ER-2 Returns for the months of Dacember, 2012 and January, 2013 submitted by the Appellant in Appeal Memorandum. Though it has been mentioned in the said Returns that the goods were cleared into DTA under Para 6.8 of FTP but it is not forthcoming whether they had availed banefit of Notification No. 23/2003-CE dated 31.3.2003 or whether they possessed required permission from the Development Commissioner for clearance of goods into DTA or not. I find that such information was in the personal domain of the Appellant and units the Appellant from brought these facts to the knowledge of the Department, string its no way the Dapartment could possess knowledge about the

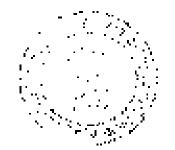
same. Thus, merely filling persodical Child sections would not mean that it was within the knowledge of the Department that its problems was clearing goods into DTA under Notification. No. 13/7653437 (1990) 1.0 2/2003 without obtaining requisited permission from the Devalopment Accomplication. The contention of the Appellancis, thus, devote of merit. By volve or a confust by the Order bassed by the Hombte Tribunal in the case of Notic Parks reported & 2003 (273) 8.1. F. 104 (Tri. - Mumbail), wherein the Homble Tribunal heid bass.

*11. Carning on the issue of the decise, to offere prised by the appellant, we find: that the extended period of time has breadily beyonded in the instead case. It is not the appellant's contention too Stry had independ the department of alliaing the higher RSP, on the imported as joinally program goods to the that they were gylglyetting the products and elter of 5 and rise is a code and ziza audortaken coparit a_{2} . in some cases. They have also not follower any of the procedures prescribed under the Central Pecise Act and the Ruise. Ignorees of law or born, this below, connor bean excess. With the actroduce on off self-net-only procedure and self-excessment of excise drive a higher responsibility for item, then on the 19960-90 to comply with sill the requirements prescribed under the sizhes. The department, <u>surport our are they</u>expected to End out on their eye of all pages what each assesses is doing and whether discharging the correct duty liability. The next registration and non-declaration of their periviries and non-compliance with the approachures with respect to removal of goods from the place of manufacture pertainly would amount to suppression of facts. and therefore, the adjudicating authority has correctly invoked the extended period of time for deniand of excite) excise due and we bold accordingly ".

(Emphasis supplied)

11. Regarding penalty imposed under Section 11.AC of the Act, I find that excended period of limitation under Section 11.4(4) of risc Act was correctly invoked by the adjudicating authority on the ground of suppression of facts, as held by me in para supra. Since there was suppression of facts with intent to evade payment of duty involved in the present case, panalty under Section 11AC of the Act is mandatory as has been held by the Hell'ble Supreme Court in the case of Rajasthan Spinning & Weaving Mills reported as 2009 (238) E.L.T. 3 (5.C.), wherein it is held that when there are ingredients for invoking extended period of limitation for demand of duty, imposition of penalty under Section 11AC is mandatory. The ratio of the said judgment applies to the facts of the present case. I, therefore, uphold penalty imposed under Section 78 of the Act.





- 12. Regarding contention of the Appellant that they had cleared goods into DTA by paying applicable duty under Sr. No. 2 of the notification No. 13/1903-CE dated 31.03.2003, as amended and not under Sr. No. 3 of the notification as alteged in the show cause notice. I find that since I have held in para supra that the Appellant was not eligible to available in or notification. No. 23/2003-CE dated 31.3.2003, it will not serve any purpose to examine applicability of Sr. No. 2 of notification supra. Hence, I discard this contention of the Appellant.
 - 13. The Appellant has contended that the Department has wrongly applied rate of duty in Annexore-A to SCN instead of taking object rate of duty effective at material time white calculating differential duty; that in remarks column of Annexore-A, rate of duty for the period from April, 2014 to January, 2016 for both MS Scrap and SS Scrap has been shown as "RCD 2,5% + EVD 12% + Cess 30" which curries to 15,25%, but rate of duty of 18,3% has been applied. On scrutiny of records. I find that there are glaring errors in calculating differential duty in Annexore-A to SCM as discussed herein under:
 - (1) The notification No. 12/2012-Eus dated 17.3.2012 was amended by Notification No. 25/2013-Cus dated 8.5.2013 and BCD on WS Scrap was reduced from 5% to 2.5%. However, Annihum-A to SCN has calculated BCD @5% for the period from June,2013 to April, 2014.
 - (II) The Appellant has paid 50% of BCD apart from 12% CVD and 3 % Education Cess in many invoices but calculation sheet of SCN only shows that the Appellant had paid 12% CVD and 3 % Education Cess under the heading 'Applied rate of duty', which is factually incorrect.
 - (M) The semanks column of Annexure-A, rate of duty for the period from April, 2014 to January, 2016 for both MS Scrap and SS Scrap has been correctly shown as "BCD 2.5% + CVD 12% + Cess 3%", but rate of duty of 18.3% has been taken under the heading "Applicable rate of duty" instead of 15.25%. This also needs to be rectified.
- 13.1 I find that the Appellant had brought these errors to the knowledge of the adjudicating authority in reply to Show Cause Notice, but the adjudicating authority chose to ignore the same for the reasons best known to him. I find that since the differential duty is wrongly calculated in the Show Cause Notice and not rectified while passing the impughed order despite specifically brought to the notice of the adjudicating authority, it will be appropriate if the adjudicating authority himself takes pain and re-calculate differential duty payable by the Appellant by taking to rectified or duty effective at material time as well as correct duty paid by the Appellant. It meverage, find it fit to remaind to the adjudicating authority for limited

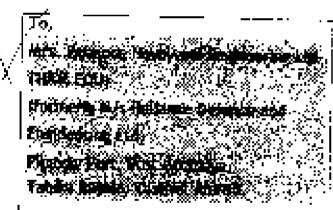
programs of quantification or gray . Asking withority shall verify conject rate Appear of the Application of the States of duty applicable at experiences on the consider actual duty peld by the Appellant by verifying all $v_{M^{-1/2}(G^{-1/2})} : \mathbb{M}_{G^{-1/2}(G^{-1/2})}$ is $\sigma(|\phi| \in \mathbb{Appellant}|\log alceady funished$ corples of involves har the period and the religious case to the religiodicating authority Wide letter dated \$4,2.30mg. On American and duty, the adjudicating authority shall inform to the Appellant elapticities and the shall be paid by the Appellant along with interest. The Appellant stant stantes the Sable to pay penalty under Section 11AC of the Act which shall be early to date so prantified. I make it clear that impugned order is otherwise uplicing the space duty has not been properly quantified. the matter is being remanded.

- In view of above, a uphotol the suggestions order but remand the matter to the 14. adjudicating authority for timited ഉയുടെ ന് ്രയമാന്fication of duty.
- अधीनकत्तो दक्षाम दर्ज वर्षे गई अधीर ६० १२७०० (एकंक्ट तर्गके से किया जाता है। 15.
- 15. The appeal filled by the Appellant stands dispused off in above terms.

भिरत शह जोही देवसे । अपने स्टान

(Copi Na**th**ii Commissioner (Appeals)

<u> ሁሃ R, P, A.O.</u>





<u> बतिशिषि :-</u>

- 1) प्रचात मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुक्क, गुवरात क्षेत्र,अत्मदाबाद को जानकरी हेत्।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेण कर एवं केन्द्रीय उत्भाव शुल्क, भावनगर आवृक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यकड़ी हेत्।
- अधिक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुक्क, आवसगर आयुक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यकही हेत्।
- **#**ি শার্চ ক্ষার্ল।

